अध्याय तृतीय

शोध प्रविधि

3.1 शोध में सम्मिलित चर

3.2 न्यादर्श का चयन

3.3 शोध में प्रयुक्त उपकरण एवं विवरण

3.3.1 मैन्टल हैल्थ बैटरी (MHB)

3.3.2 एडोलेसेन्ट गर्ल्स एवंम वॉयज ऐंडजेस्टमैंट स्केल

3.4 आँकड़ों का संकलन

3.5 विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकी

अध्याय– तृतीय

शोध प्रविधि

प्रस्तावना

बिना किसी नियोजित एवं क्रमबद्ध तरीके से इधर–उधर की निरूद्देश्य क्रियाओं से कभी– कभी चमत्कारिक परिणाम अवश्य प्राप्त हो सकते है, परंतु सामान्य स्थितियों में कोई सार्थक सामान्यीकरण नहीं हो सकता है। शोध समस्या के लिए हमें किन प्रक्रियाओं से गुजरना होगा यह शोधकर्ता को जानना अत्यंत आवश्यक है। प्रस्तुत लघु–शोध में भोपाल शहर के किशोरवयीन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, उनके समायोजन का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

3.1 शोध में सम्मिलित चर

शोध में स्वतंत्र एवं आश्रित चर इस प्रकार रखे गए हैं:–

स्वतंत्र चर

- विद्यालयों का प्रकार (शासकीय, अशासकीय)
- लिंग (बालक, बालिका)

परतंत्र चर

- मानसिक स्वास्थ्य
- समायोजन

3.2 न्यादर्श का चयन

प्रस्तुत शोध के अध्ययन हेतु पुराने भोपाल शहर के दो माध्यमिक विद्यालयों का तथा नये भोपाल शहर के दो विद्यालयों का चयन किया गया। बैरागढ़ क्षेत्र से एक, टीला जमालपुरा क्षेत्र से एक, टी.टी. नगर क्षेत्र से एक, तथा नेहरू नगर क्षेत्र से एक इस प्रकार कुल दो शासकीय तथा दो अशासकीय विद्यालयों (सरस्वती विद्या मंदिर,

माध्यमिक विद्यालय, नेहरू नगर, भोपाल; नारायण पब्लिक स्कूल, बैरागढ़, भोपाल; टेंडर शासकीय विद्यालय, टीला जमालपुरा, भोपाल एवं कस्तूरबा माध्यमिक विद्यालय, दशहरा मैदान, टी.टी. नगर, भोपाल) का यादृच्छिक पद्धति से चयन किया गया इन विद्यालयों में से कक्षा 9वी तथा कक्षा 11वी के विद्यार्थियों में से प्रत्येक विद्यालय में से बीस किशोरवयीन विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक पद्धति से किया गया। जिनकी आयु पन्द्रह से सत्रह वर्ष के बीच थी। जिनमें पैंतालीस किशोरवयीन बालिकाएँ एवं पैंतीस किशोरवयीन बालक थे। इस प्रकार कुल अस्सी किशोरवयीन विद्यार्थियों का चयन किया गया। न्यादर्श का चयन के लिए विद्यालय में अध्ययनरत 15 से 17 वर्ष उम्र के किशोरवयीन विद्यार्थियों के नाम की चिट्ठियाँ एक डब्बे में डालकर एक बच्चे द्वारा चिट्ठियों का चयन किया गया। इस प्रकार शोधकर्ता को न्यादर्श प्राप्त हुआ तथा इसका विवरण निम्न तालिका क्रमांक 3.1 से अधिक स्पष्ट हो सकता है।

तालिका क्रमांक 3.1 न्यादर्श का चयन

विद्यालय का नाम	**लिंग**		**विद्यार्थियों की संख्या**
	छात्र	**छात्राएँ**	
सरस्वती विद्या मंदिर	9	11	20
नारायण पब्लिक स्कूल	8	12	20
टेंडर शासकीय विद्यालय	10	10	20
कस्तूरबा माध्यमिक विद्यालय	8	12	20
कुल योग	**35**	**45**	**80**

3.3 शोध में प्रयुक्त उपकरण एवं विवरण

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने प्रदत्त संकलन के लिए श्री अरूण कुमार सिंह एवं श्रीमती अल्पना सेन गुप्ता (1983) द्वारा निर्मित तथा प्रमाणीकृत 'मेन्टल हैल्थ बैटरी' तथा श्रीमती आर. दुबे के द्वारा निर्मित तथा प्रमाणीकृत ऍडोलेसन्ट गर्ल एडजस्टमैन्ट स्केल एवं ऍडोलेसेन्ट वॉयज एडजेस्टमैन्ट स्केल उपकरणों का उपयोग किया है।

3.3.1 मैन्टल हैल्थ बैटरी (MHB)

किशोरवयीन बालकों के मानसिक स्वास्थ्य का मापन करने के लिए श्री अरूण कुमार सिंह एवं श्रीमती अल्पना सेन गुप्ता (1983) द्वारा निर्मित मैन्टल हैल्थ बैटरी का उपयोग किया गया है जो तेरह से बाईस आयु तक वांछनीय है। जिसमें अलग–अलग छः विभागों के कुल 130 कथन रखे गए हैं। छः विभागों के अनुसार कथनों का वितरण निम्नानुसार अधिक स्पष्ट किया जा सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभागों के अनुसार कथनों का वितरण

खण्ड	घटक	कुल कथन
खण्ड– 1	भावनात्मक स्थिरता (ES)	15
खण्ड – 2	संपूर्ण सामन्जस्य (OA)	40
खण्ड – 3	स्वायत्ता (AY)	15
खण्ड – 4	सुरक्षा एवं असुरक्षा की भावना (SI)	15
खण्ड – 5	स्वयं अवधारणा (SC)	15
खण्ड – 6	बुद्धि (IG)	30
	कुल	**130**

▪

अनुमापन (स्कोरिंग)

मैन्टल हैल्थ बैटरी (MHB) यह द्वि बिन्दु पद्धति की मापनी है। धनात्मक पद के उत्तरों के लिए 'हाँ' पर टेली करने पर +1 अंक देना है तथा 'नहीं' के टेली करने पर उत्तरों को 0 अंक देना है।

3.3.2 एडोलेसेन्ट गर्ल्स एवंम वॉयज ऍडजेस्टमैंट स्केल

एडोलेसेन्ट गर्ल्स ऍडजस्टमैंट स्केल (AGAS) एवं एडोलेसेन्ट बॉयज ऍडजस्टमैंट स्केल (ABAS) श्रीमती आर. दुबे के द्वारा निर्माण किया गया है। यह मापनी दो प्रकार के समायोजन पर आधारित है। स्वःसमायोजन एवं समवयस्क

समायोजन। प्रस्तुत मापनी में 80 कथन दिए गए हैं जिसका बायसेरियल सहसंबंध 0.01 स्तर पर सार्थक था। कुल 80 कथनों में से 40 कथन स्वःसमायोजन तथा 40 कथन समवयस्क समायोजन के रखे गए हैं। जिनमें 50 प्रतिशत धनात्मक एवं 50 प्रतिशत ऋणात्मक कथन दिए गए हैं।

- **अनुमापन (स्कोरिंग)**

प्रस्तुत मापनी द्वि बिन्दु है जिसमें धनात्मक कथन हेतु 'हाँ' के लिए +1 एवं 'नहीं' के लिए 0 अंक रखा गया है तथा पूर्णात्मक कथन हेतु 'हाँ' के लिए 0 अंक रखा गया है।

3.4 आँकड़ों का संकलन

आँकड़ों का संकलन करने के लिए क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान द्वारा एम.एड छात्रों को प्रदत्त संकलन के लिए 10 फरवरी से 20 फरवरी, 2010 तक निश्चित समय सीमा निर्धारित की गई थी। प्रदत्त संकलन के लिए चयन किए गए विद्यालयों (सरस्वती विद्या मंदिर, माध्यमिक विद्यालय, नेहरू नगर, भोपाल, नारायण पब्लिक स्कूल, बैरागढ़, टेंडर शासकीय विद्यालय, टीला जमालपुरा, भोपाल एवं कस्तूरबा माध्यमिक विद्यालय, दशहरा मैंदान, टी.टी. नगर, भोपाल) के प्राचार्यों से अनुमति लेने के बाद किशोरवयीन विद्यार्थियों को अध्ययन से संबंधित पूर्व सूचना तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। जिसमें अध्ययन के प्रमाणिक उद्देश्यों को बताया गया तथा उपकरणों को स्वयं के मतानुसार जबाव देने को कहा गया। तदोपरान्त् सूची देने के बाद उन्हें साठ मिनट का समय दिया गया तथा समय पूर्ण होने पर छात्रों से भरी हुई सूची प्राप्त की गई।

3.5 विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध कार्य में अध्ययनकर्ता ने प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या करने के लिए मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, टी टेस्ट एवं सहसंबंध गुणांक आदि सांख्यिकीय तकनीक का प्रयोग किया।